Nai Dunia (Indore), 27th June 2021, Page-2

इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों की मेमोरी अब कम ऊर्जा लेगी

शोध

- आइआइटी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसरों का शोध
- बैट्री से चलने वाले उपकरणों के लिए उपयोगी साबित होगा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा और प्रो. पूरन सिंह ने उपकरणों में लगने वाली मेमोरी को कम ऊर्जा पर संचालित करने की तकनीक पर शोध कार्य किया है। इस शोध पर दोनों प्रोफेसर के नाम पेटेंट भी दर्ज हुआ है।

प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा का कहना है मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटाप, ड्रोन और कई उपकरणों में लगने वाली मेमोरी को काम करने के लिए काफी ऊर्जा लगती है। उपकरण की कुल ऊर्जा में से 90 फीसद मेमोरी संचालित करने में ही लग जाती है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी उन उपकरणों में आती है जो बैट्री से चलते हैं। इनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। इसे बढ़ाने के लिए जरूरी है मेमोरी में लगने वाली ऊर्जा की खपत कम की जाए। हम काफी समय से इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

हमने सबसे पहले इस बात पर जोर दिया कि जब उपकरणों से किसी तरह का काम नहीं लिया जाता तब भी वे ऊर्जा की खपत करते रहते हैं। इस खपत को कम करने के लिए मेमोरी के सर्किट में कई बदलाव किए। मेमोरी कम से कम ऊर्जा पर चल सके, इसके लिए भी मेमोरी के मदरबोर्ड में बदलाव किए गए। यह शोध पूर्ण होने के बाद अब संभावना बढ़ गई है कि कम ऊर्जा से चलने वाली मेमोरी का उपयोग सर्वर, डाटा सेंटर और अन्य क्षेत्रों में भी किया जा सकेगा।